**इष्टांक व वसुली :- सन1985-86‍‍‍आर्थिक वर्षातील ते माहे फेब्रुवारी 2019 अखेर**

**पर्यत विभागाने मुद्रांक शुल्क व नोंदणी फी व्दारे वसुली दर्शविणारा तपशील**

**पुढीलप्रमाणे आहे.**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **अ.** क्र. | **वर्ष** | **दस्त संख्या** | **एकूण महसूल कोटीत** |
| 1 | 1985-1986 | 665413 | 94.76 |
| 2 | 1986-1987 | 793578 | 134.42 |
| 3 | 1987-1988 | 818316 | 148.52 |
| 4 | 1988-1989 | 842634 | 166.60 |
| 5 | 1989-1990 | 722307 | 256.45 |
| 6 | 1990-1991 | 854037 | 293.93 |
| 7 | 1991-1992 | 841661 | 363.56 |
| 8 | 1992-1993 | 844522 | 487.12 |
| 9 | 1993-1994 | 886357 | 613.08 |
| 10 | 1994-1995 | 962734 | 1157.60 |
| 11 | 1995-1996 | 923290 | 1239.97 |
| 12 | 1996-1997 | 1076590 | 1305.17 |
| 13 | 1997-1998 | 991031 | 1658.53 |
| 14 | 1998-1999 | 1066897 | 1624.48 |
| 15 | 1999-2000 | 1176555 | 1927.71 |
| 16 | 2000-2001 | 1282568 | 2225.00 |
| 17 | 2001-2002 | 1322660 | 2446.24 |
| 18 | 2002-2003 | 1365167 | 2871.72 |
| 19 | 2003-2004 | 1401953 | 3400.75 |
| 20 | 2004-2005 | 1503763 | 4137.59 |
| 21 | 2005-2006 | 1603718 | 5307.63 |
| 22 | 2006-2007 | 1736342 | 6538.61 |
| 23 | 2007-2008 | 1847259 | 8538.00 |
| 24 | 2008-2009 | 1779318 | 8384.36 |
| 25 | 2009-2010 | 1987280 | 10901.52 |
| 26 | 2010-2011 | 2318618 | 13411.26 |
| 27 | 2011-2012 | 2314218 | 14800.00 |
| 28 | 2012-2013 | 2297545 | 17548.00 |
| 29 | 2013-2014 | 2330373 | 18666.00 |
| 30 | 2014-2015 | 2297929 | 19959.09 |
| 31 | 2015-2016 | 2308809 | 21767.01 |
| 32 | 2016-2017 | 2122591 | 21035.91 |
| 33 | 2017-2018 | 2193149 | 26470.80 |
| 33 | 2018-19  माहे फ्रेबुवारी-19 अखेर | 2115636 | 25334.82 |

चालू वर्षी विभागास **24000 कोटी** इतका इष्टांक ठरवून दिलेला असून माहे

**फ्रेबुवारी-2019 अखेर रु.25334.82/-कोटी** इतकी वसुली झालेली आहे. विभागाने ‍गतिमान प्रशासन व जनताभिमुख कार्यपध्दती हे मुख्य सूत्र समोर ठेवून कार्यपध्दतीमध्ये अनेक बदल स्विकारले आहेत. त्यातील काही **महत्वपूर्ण बदल** पुढीलप्रमाणे आहेत.

* **सुलभ समान कार्यपध्दती:-** राज्यातील सर्व दुय्यम निबंधक कार्यालयामध्ये ऑगष्ट 2000 पासून सुलभ व समान दस्तनोंदणी कार्यपध्दतीचा अवलंब करण्यात आला आहे. यामध्ये सर्व दुय्यम निबंधक कार्यालयाची एकसमान रचना, कार्यालयामध्ये जनताभिमुख वातावरण, कर्मचा-यांना ओळखपत्र दस्तनोंदणी संबंधी सर्व माहिती पारदर्शीपणे प्रसिध्द करणे याबाबीचा समावेश होता. कार्यालयात येणा-या जनतेला दस्तनोंदणीची सेवा सुलभ व समान दर्जाने मिळावी हा मुख्य उददेश या बदलामागे होता.
* **संगणीकृत दस्तनोंदणी कार्यप्रणाली:-** सन2002 पासून राज्यातील सर्व दुय्यम निबंधक कार्यालयातील संगणीकृत दस्तनोंदणी कार्यप्रणालीचा वापर सुरु करण्यात आला आहे.